अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - "असगर वजाहत : व्यक्ति एवं वाङ्मय" पृ. 1 - 17

1.1 ***व्यक्ति-परिचय***

1.1.1 जन्म-तिथि तथा जन्म-स्थान

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 बचपन

1.1.4 परिवार

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरी

1.1.7 न टककार असगर वजाहत

1.1.8 दूरदर्शन धारावाहिक तथा पटकथा लेखक

1.1.9 सामाजिक कार्यकर्ता

1.1.10 चित्रकार असगर वजाहत

1.1.11 जनसंचार माध्यम और असगर वजाहत

1.2 ***व्यक्तित्व की विशेषताएँ***

1.2.1 प्रतिभासंपन्न

1.2.2 आधुनिक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण

1.2.3 युवाओं के प्रेरणास्रोत

1.2.4 देशप्रेमी

1.2.5 सं प्रदायिक एकता के हिमायती

1.2.6 मुस्लिमों के व्यथाकार

1.3 ***वाङ्मय अर्थात् असगर वजाहत की साहित्य-यात्रा***

1.3.1 हिंदी उपन्यास-साहित्य

1.3.2 कहानी-संग्रह

1.3.3 नाटक साहित्य

1.3.3.1 पूर्णकालिक नाटक

1.3.3.2 नुक्कड़ नाटक-संग्रह

1.3.3.3 नुक्कड़ नाटक

1.3.4 आलोचना पुस्तक

1.3.5 फिल्म-दूरदर्शन लेखन

1.3.5.1 दूरदर्शन

1.3.5.1.1 वृत्त-चित्र

1.3.5.1.2 धारावाहिक लेखन

1.3.5.2 फिल्म

1.3.6 अनुवाद कार्य

1.3.7 समीक्षा

1.3.8 पुरस्कार एवं सम्मान

1.3.9 यात्राएँ

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''असगर वजाहत के 'सात आसमान' का औपन्यासिक शिल्प'' पृ. 18 - 46

2.1 उपन्यास का स्वरूप

2.2 शिल्प

2.3 औपन्यासिक शिल्प से तात्पर्य

2.4 शीर्षक

2.5 कथावस्तु

2.5.1 कथावस्तु की समीक्षा

2.6 *पात्र तथा चरित्र-चित्रण*

2.6.1 प्रमुख पात्र

2.6.2 सहायक पात्र

2.6.3 गौण पात्र

2.7 *कथोपकथन*

2.8 *देश-काल, वातावरण*

2.9 *भाषा*

2.9.1 हिंदी-उर्दू का संमिश्र प्रयोग

2.9.2 भोजपुरी बोली का प्रयोग

2.9.3 बंबईयाँ हिंदी भाषा का प्रयोग

2.9.4 बोलचाल की भाषा का प्रयोग

2.9.5 अवधी भाषा का प्रयोग

2.9.6 अंग्रेजों द्वारा हिंदी का प्रयोग (अर्थात् अंग्रेजी शैली में बोली गई हिंदी)

2.9.7 पहेलियाँ-मुखरियाँ

2.9.8 गालियों से युक्त भाषा का प्रयोग

2.9.9 विवेच्य उपन्यास में प्रयुक्त शब्दावली

2.9.9.1 उर्दू शब्द

2.9.9.2 अरबी तथा फारसी शब्दों का प्रयोग

2.9.9.2.1 अरबी शब्द

2.9.9.2.2 फारसी शब्द

2.9.9.3 अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग

2.9.9.4 संस्कृत शब्दों का प्रयोग

2.9.9.5 मुहावरों-कहावतों का प्रयोग

2.10 *शैली*

2.11 *उद्‌देश्य (प्रतिपाद्‌य)*

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''असगर वजाहत का 'सात आसमान' उपन्यास : बदलते मानव का सामाजिक जीवन'' पृ. 47- 75

प्रास्ताविक

3.1 सामाजिक जीवन के विविध पक्ष

3.1.1 बदलते समाज में धर्म-व्यवस्था

3.1.2 बदलते समाज में वर्ग-व्यवस्था

3.1.3 बदलते समाज में अर्थ-व्यवस्था

3.1.4 बदलते समाज में न्याय-व्यवस्था

3.1.5 बदलते समाज में शिक्षा-व्यवस्था

3.2 बदलता समाज : पारिवारिक जीवन

3.2.1 बदलते समाज में पति-पत्नी

3.2.2 बदलते समाज में पिता-पुत्र

3.2.3 बदलते समाज में बूढ़े

3.2.4 बदलते समाज में युवा-वर्ग

3.2.5 बदलते समाज में नौकर

3.2.6 बदलते समाज में पागल

3.3 स्वातंत्र्योत्तरकालीन समाज की विशेषताएँ

3.3.1 शहरीकरण

3.3.2 विकृत प्रवृत्तियों का उदय

3.3.3 अतीत और वर्तमान की तुलना

3.3.4 पुरानी निशानियों की टूटन

3.3.5 भ्रष्टाचार

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''असगर वजाहत का 'सात आसमान' उपन्यास :
बदलते मानव का राजनीतिक जीवन'' पृ. 76 - 97

प्रास्ताविक

4.1 *मुगलकालीन राजनीतिक जीवन*

4.1.1 भारतीय राजनीति में मुगलों का प्रवेश-पार्श्वभूमि

4.1.2 मुगलकालीन राजनीति और धर्म

4.1.3 मुगलकालीन शासन-व्यवस्था और कूटनीति

4.1.4 मुगलकालीन राजनीति में स्त्रियों का सहभाग

4.2 *अंग्रेजकालीन राजनीतिक जीवन*

4.2.1 1857 का स्वाधीनता संग्राम

4.2.2 जमींदारी प्रथा

4.2.3 लगानबंदी आंदोलन

4.2.4 असहयोग आंदोलन

4.3 *स्वाधीनता प्राप्त भारतीय मानव का राजनीतिक जीवन*

4.3.1 जमींदारी प्रथा का उन्मूलन

4.3.2 जमींदार काँग्रेस संबंध

4.3.3 अवसरवादी प्रवृत्ति

4.3.4 मुस्लिम लीग और मुस्लिम समाज

4.3.5 भ्रष्ट राजनीति

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - ''असगर वजाहत का 'सात आसमान' उपन्यास :
बदलते मानव का सांस्कृतिक जीवन'' पृ. 98 - 135

प्रास्ताविक

5.1 *विवेच्य उपन्यास में चित्रित सांस्कृतिक जीवन के विविध अंग*

5.1.1 रीति-रिवाज और परंपराएँ

5.1.2 उत्सव एवं त्यौहार

5.1.3 रहन-सहन

5.1.4 खान-पान

5.1.5 वस्त्रालंकार

5.1.6 उपासना एवं धार्मिक कृत्य

5.1.7 अंध-विश्वास

5.2 बदलते मानव का सांस्कृतिक जीवन : विकासजन्य परिवर्तन

5.2.1 नारी सम्मान

5.2.2 मानवता की प्रतिष्ठापना

5.2.3 रखैल प्रथा-निर्मूलन

5.2.4 आयुर्वेद के महत्त्व की वापसी

5.2.5 बहुविवाह प्रथा में परिवर्तन

5.2.6 पशु प्रेम

5.3 बदलते मानव का सांस्कृतिक जीवन : ह्रासजन्य परिवर्तन

5.3.1 संयुक्त परिवार विघटन

5.3.2 बदलते आत्मकेंद्रित रिश्ते

5.3.3 नई-पुरानी पीढ़ी की मान्यताओं में भेद

5.3.4 पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

निष्कर्ष

उपसंहार पृ. 136- 142

परिशिष्ट पृ. 143 - 147

संदर्भ ग्रंथ-सूची पृ. 148 - 155